दृष्टि The Vision

Mentorship Program
Nehru Vihar

drishti

Drishti Mentorship Programme (Mains)-2024

Essay

Name of Candidate:	Vivek Yadav	Subject/Code:	essay
UPSC Roll No:	7810112	Date:	07/07/24
Drishti Id:		E-mail Id:	
Centre:	mukharjee nagar	Medium:	Hindi

Test Code:

Time allowed: Three Hours

Maximum Marks: 250

(To be filled by Evaluator only)

	Max. Marks	Marks Obtained
	(Essay Topic No.)	(Marks)
Section-A		
Section-B		
Total		

Overall Feedback

INSTRUCTIONS

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पहले निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

- प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबन्ध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू. सी. ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।
- प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।
- प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

- The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
- Word limit, as specified, should be adhered to.
- Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

For Student Only

Time Taken	Start Time:	End Time:	Student Signature
Mode of Examination	Online	Offline	

For Office Use Only

Evaluators Code	Evaluator Sign	Evaluation Date	Reviewers Code	Reviewers Sign

Feedback				
Sr. No	मापदण्ड/Parameters	Max. Marks	Section-A (Essay-1)	Section-B (Essay-2)
1.	**परिचय:** विषय और संलग्नता की स्पष्टता। **Introduction:** Clarity of theme and engagement.	10		
2.	**विषय वस्तु:** प्रासंगिकता, विश्लेषण की गहराई और उदाहरणों/साक्ष्यों का उपयोग। **Content:** Relevance, depth of analysis, and use of examples/evidence.	25		
3.	**संरचना और संगठन:** तार्किक प्रवाह, पैराग्राफ सरेखण और विचारों की सुसंगतता। **Structure and Organization:** Logical flow, Paragraph alignment and Coherence of ideas.	20		
4.	**प्रासंगिकता:** विषय से विचलन की अनुपस्थिति, तर्क और प्रतिस्थापन के बीच संतुलन **Relevance:** Absence of Deviation from Topic, Balance between argument and substiation	20		
5.	**भाषा और अभिव्यक्ति:** स्पष्टता, व्याकरण, वाक्यविन्यास, शब्दावली और अभिव्यक्ति **Language and Expression:** Clarity, Grammar, Syntax, Vocabulary and Articulation	20		
6.	**निष्कर्ष:** तर्कों और निष्कर्ष का प्रभावी सारांश। **Conclusion:** Effective summary of arguments and conclusion.	10		
7.	**मौलिकता और रचनात्मकता:** विचार और रचनात्मक अभिव्यक्ति में नवीनता। **Originality and Creativity:** Innovation in thought and creative expression.	20		
	कुल: Total:	125		

*** UPSC Requirement for Essay Paper:**

*Candidates may be required to write essays on multiple topics. They will be expected to keep **closely to the subject** of the essay to **arrange their ideas in orderly fashion** and to **write concisely.** Credit will be given for **effective and exact expression.***

*** निबंध पेपर के लिए यूपीएससी की अपेक्षा:**

*उम्मीदवार को एक विनिर्दिष्ट विषय पर निबंध लिखना होगा। विषयों के विकल्प दिये जायेंगे। उनसे आशा की जाती है कि अपने विचारों को निबंध के **विषय के निकट** रखते हुए क्रमबद्ध करें तथा **संक्षेप** में लिखें। **प्रभावशाली एवं सटीक अभिव्यक्तियों** के लिये श्रेय दिया जायेगा।*

Copyright – Drishti The Vision Foundation

निम्न खण्ड A व B प्रत्येक से एक विषय चुनकर दो निबन्ध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000–1200 शब्दों का हो :

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Write two essays, choosing one topic from each of the following Sections A and B, in about 1000-1200 words each: **(125 × 2 = 250)**

खंड-A/SECTION-A

Topic: 'भविष्य या तो हरा होगा, या फिर होगा ही नही'

कुछ समय पूर्व ही न केवल भारत, बल्कि पूरे विश्व ने COVID-19 जैसी घातक महामारी का सामना किया, हमने सैंकडो लोगो को ऑक्सीजन न मिल पाने के कारण असमय मृत्यु के मुँह मे जाते देखा, हमने पहली बार महसूस किया, कि सबसे आसानी से उपलब्ध होनी चीज (वायु / O_2) कितनी दुर्लभ हो चुकी थी, और इसी वायु को प्राणदायी स्त्रोत के रूप मे हरे पेड पौधे हम तक पहुँचाते है, क्या ऐसे मे इनका ह्रास हमारी सभ्यता को और --

P.T.O.

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh

drishti

Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision d

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अधिक गंभीर खतरा पैदा नही करेगा।
और न केवल इनकी उपयोगिता को वायु तक सीमित रखते हुए देखना चाहिए, बल्कि हमने कई विद्वानो के कथनो मे यह भी देखा है, कि -

'अगला विश्व युद्ध जल के मुद्दे को लेकर घटित हो सकता है'

तो ऐसे जो हरे पेड-पौधे, मिट्टी की जडो को कसकर बाँधे रखते है, ताकि जल का संभरण हो सके, और पर्यावरण से जल को आकर्षित करने, एवं वर्षा कराने मे योगदान देते है, उनका इतनी अंधाधुंध तरीके से विनाश क्यो हो रहा है? और लोगो को इस बारे मे जागरूकता कैसे प्रदान की जा सकें, ये आज का प्रमुख मुद्दा माना जा रहा है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

जैसा कि हमारा आज का टॉपिक है कि – भविष्य या तो हरा होगा, या फिर होगा ही नहीं, तो हम पहले इसके पूर्व भाग को समझने का प्रयास करते है,

'हरा', ये केवल पेड़-पौधो की परिभाषा से सीमित नही है, इसमे लाखो जीव-जंतु, पर्यावरण मे पाए जाने अन्य घटक (सूक्ष्मजीव), प्राथमिक उत्पादक के रूप मे पायी जाने वाली हरी घास, से लेकर जल मे पाए जाने वाली नील-हरित शैवाल भी इसका हिस्सा होती है।

इस दायरे मे 'विश्व के फेफड़े' कहे जाने वाले घने वर्षा वन भी आते है, तो वही अपनी शुष्क और कॉंटेदार पत्तियो के लिए जाने जाने वाले (मरुदभिद) भी आते है।

तो ऐसे मे हरे की परिभाषा का दायरा भी इसके महत्व की तरह विस्तृत है।

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC. Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

बचपन मे एक गीत बहुत प्रचलित रहा था -

'नदियाँ न पिये कभी अपना जल,
वृक्ष न खाये कभी अपना फल,
अपने तन को, मन को धन को,
देश को देंदे जान रे, वो सच्चा इंसान रे'

तो प्रकृति हमसे कुछ लेती नही है, बल्कि सदैव एक माता की तरह हम पर असीम प्रेम बनाए रखती है, तो हम पहले उन्ही पहलुओ की चर्चा करते है -

आज भारत मे 10.6% के करीब आदिवासी जनसंख्या है, जिनका प्राथमिक आय स्त्रोत वनोपज और उनसे संबंधित अन्य गौण उत्पादो को बेचकर वह अपना जीवन यापन करते है, ऐसे मे हरित पर्यावरण, एक आर्थिक स्त्रोत के रूप मे कार्य करता है, और जिस तरह हम 5 ट्रिलियन इकॉनमी का सपना देख रहे है, उसे साकार करने मे इसकी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

दूसरे पहलू कि बात करें- वह है जलवायु परिवर्तन, पूरा विश्व इससे जूझ रहा है, ऐसे मे कार्बन पृथक्करण, अवशोषण, और संग्रहण मे भी ये एक सिंक का कार्य करते है। तो अगर हमे छठवें मास एक्सिंक्शन से बचना है, तो इसमे ये महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते है।

हमे ज्ञात है, जब प्रथम नगरीकरण के दौर मे (हड़प्पा सभ्यता), प्रकृतिपूजा और मातृदेवी की योनि मे से निकलते हुए पौधे की पूजा की जा रही थी, वह वास्तव मे इनके तात्कालिक महत्व को बहुत अच्छे तरीके से उजागर करती है।

आज वैश्विक स्तर पर जो प्रयास किए जा रहे है, विशेषत: 'ग्रीन क्लाइमेट' को लेकर वह इसकी महत्वता को और बढ़ा रहे है।

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अब हम अपने टॉपिक के दूसरे भाग पर चलते हैं, कि क्या हरे के बिना जीवन होगा ही नहीं ?

इसका उत्तर देना कठिन नहीं है, क्योंकि हरे के बिना पृथ्वी के जीवन की कल्पना का मतलब, कुछ ऐसा ही है मानो जैसे 'बिना जड़ के कोई पौधा' जिसका अस्तित्व समाप्त हो जाता है।

आज हमने देखा कि पर्यावरण को संरक्षण करने के सैकड़ो प्रयासो के बाद भी वे सफल क्यों नहीं हो पा रहे हैं, और हरित श्रृंखला को मानव द्वारा सर्वाधिक नुकसान क्यों पहुँचाया जा रहा है।

तो पहले हम उन कारणो को समझने का प्रयास करते हैं, जिनके कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है -

सबसे पहला तो बढ़ती हुई जनसंख्या, जिसे रहने के आवास की आवश्यकता होती है.

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

तो वह अपने रहवास के लिए, पर्यावरणीय आवास का अतिक्रमण करता है, जिससे कि हरित प्रभाव कम होता जाता है।

दूसरा मनुष्यों के रहन सहन का स्तर समय के साथ परिवर्तित होता भी दिख रहा है और उनके द्वारा संसाधनों को अधिकाधिक दोहन करने की नीति अपनाई जा रही है ऐसे मे सतत विकास के लक्ष्य पीछे छूटते जा रहे हैं।

हॉलाकि केवल मानव पर दोषारोपण कर देना भी उचित नही होगा, क्योकि पशुओ द्वारा अतिचारण, बाढ़-सूखा की कृत्रिम बारंबारता, मरूस्थलीकरण की बढ़ती प्रक्रिया, जैसी प्राकृतिक प्रक्रियाएँ भी अपना योगदान देती है, परंतु प्रकृति स्वयं के द्वारा की गई विपदाओ/आपदाओ की क्षतिपूर्ति आसानी से कर लेती है, परंतु जब उसमे मानव का हस्तक्षेप बढ जाता है, वहाँ प्रक्रिया चिंताजनक हो जाती है।

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हमने हरित व्यवस्था के कई आयामो पर चर्चा की है, चुनौतियो पर भी नजर डाली है, तो अब बारी है, क्या समाधान प्राप्त किया जा सकता है।

भारतीय संविधान के नीति निदेशक तत्व के अनु. '48-A' पर्यावरण एवं वन-वन्यजीव संरक्षण की बात करता है, ऐसे मे एक कल्याणकारी राज्य का दायित्व बनता है, कि वह पर्यावरण संरक्षण के लिए कदम उठाए। और इसी क्रम मे -
वन संरक्षण अधि. 1980, पर्यावरण संरक्षण अधि. 1986 और जैव विविधता अधि. 2002 जैसे कानूनी प्रावधानो की व्यवस्था की गई है।

गैर सरकारी संगठन भी इसमे अपनी भूमिका निभा ~~सकते~~ रहे है, और वे विल से लेकर जनसहभागीदारी तक अपना योगदान दे रहे है, जिनमे -

(1) बॉबे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी
(2) वाइल्ड लाइफ फंड फॉर नेचर ---

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

इनका दायरा और अधिक विकसित करने के लिए, तथा पर्यावरण संरक्षण को एक जन आंदोलन मे तब्दील करने हेतु प्रधानमंत्री मोदी ने - कॉप COP 27 मे मिशन लाइफ (lifestyle for enviornment) की घोषणा की। और तृणमूल स्तर पर हरित व्यवस्था को बनाए रखने का आह्वान किया।

अर्थव्यवस्था से भी हरित पर्यावरण को जोड़ा जा रहा है, और ग्रीन GDP, जैसी अवधारणाएं सामने आ रही है, जिसका तात्पर्य, कुल GDP मे से पर्यावरण को होने वाली हानि एवं उसकी क्षतिपूर्ति मे व्यय होने वाली राशि को घटाकर प्राप्त किया जाता है, इसका उद्देश्य पर्यावरण के आर्थिक चरित्र को भी सबके सामने लाना है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

ग्रीन एनर्जी आज विश्व का सबसे संवेदनशील मुद्दा है, क्योंकि आज अक्षय ऊर्जा (सूर्य, पवन, लघुपनबिजली, जैव, बायोमास, नाभिकीय ---) के माध्यम से कार्बन उत्सर्जन को कम करने का प्रयास किया जा रहा है, वही अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) के वैश्विक प्रतिनिधि के रूप मे भारत की छवि और अधिक सुदृढ़ हो रही है।

ग्रीन अकाउंटिंग के माध्यम से, ग्रीन ऊर्जा और अन्य क्षेत्रो मे उसकी प्रगति का भी मापन हो रहा है, और उसका लेखा-जोखा भी किया जा रहा है। और जो कंपनिया ग्रीनवाशिंग (अपने उत्पादो को प्रतीकात्मक रूप से पर्यावरण अनुकूल दिखाना) को अंजाम दे रही है, उन पर भी नियंत्रण करने का प्रयास किया जा रहा है।

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अब हम अपनी चर्चा के अंतिम चरण मे प्रवेश करते है, जहाँ हम वर्तमान के बहस के सबसे बडे मुद्दे यथा-
(green vs development) / (विकास बनाम पर्यावरण)
की भी चर्चा करते है, आम तौर पर भारत चीन जैसे विकासशील राष्ट्र कार्बन उत्सर्जन का एक बडा हिस्सा निष्कासित करते है, ऐसे मे आवश्यक हो जाता है, कि विकास एवं पर्यावरण संरक्षण मे सामंजस्य हो। परंतु वास्तविकता मे अमेरिका एवं अन्य पश्चिमी देशो द्वारा 1850 से की गई 'अंधी आधुनिक दौड' जिसमे पर्यावरण को पूर्णतः दरकिनार कर दिया गया था, भारत आज भी अपनी प्रतिबद्धताओ के लिए विस्तृत रोडमैप बनाए हुए है, जिनमे 2070 तक नेटजीरो उत्सर्जन, वही 2047 तक ऊर्जा आत्मनिर्भर देश बनना जैसे महत्वकांक्षी लक्ष्य शामिल है

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रकृति माँ के समान हमारा लालनपालन करती है, ऐसे मे आवश्यक हो जाता है कि हम भी अपने नैतिक दायित्व को समझें,

पृथ्वी हरी भरी रहें, अपने स्वरूप मे समावेशित विकास को आगे बढाती रहें, और पेरिस एग्रीमेंट के हमारे सतत विकास लक्ष्यो के प्रति भी हमारी प्रतिबद्धता बनी रहें, ऐसा हम सभी को संकल्प लेना चाहिए, और पर्यावरण संरक्षण मे अपना योगदान देना चाहिए।

हमारे भारतीय समाज मे पर्यावरण को बचाने संबंधित कई उदा. देखे है, जहाँ महिलाएँ अपने वृक्षो की रक्षा मे अपने प्राण तक न्योछावर करने के लिए तैयार रहती है,

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

महात्मा गाँधी जी ने भी कहा है कि -
'प्रकृति आपकी सारी जरूरतो को पूरा करने मे सक्षम है, परंतु आपकी लालच को नही'
इसलिए हमे इसके महत्व को समझते हुए, इसके बारे मे और अधिक जनजागरूकता को बढाना चाहिए, और व्यक्तिगत से लेकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक एक जनांदोलन के रूप मे हरित संरक्षण को उभारना चाहिए।

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Remarks for Essay-1

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि चाहिये।

(Candidate must r write on this marg

Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड-B/SECTION-B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Topic:

'साहस जीवन मे शांति की कीमत है'

सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान द्वारा प्रकाशित एक बाल मासिक - 'देवपुत्र', अक्सर बच्चो को नैतिक शिक्षा देने, और सामाजिक जीवन को विभिन्न प्रेरणादायक कहानियों से रुबरु कराने के लिए जानी जाती रही है,

उसमे एक बालक नरेन्द्र की कहानी आती थी, जिसमे एक प्रसंग [कि एक पेड के नीचे रात को नही जाना चाहिए क्योकि वहाँ भूतो का वास हो जाता है, ऐसे मे लोगो मे भय का वातावरण रहता था, परंतु नरेंद्र साहसी बालक थे, वे निडर होकर पूरी रात उस पेड के नीचे बैठे रहें, और साबित किया कि ऐसा कुछ नही था, वो सब अंधविश्वास था, उसके बाद वहाँ लोग फिर से सुख-चैन से आने जाने लगें, और शांत जीवन पुनः बिताने लगें]

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

क्या यह बालक नरेंद्रनाथ का साहस ही नहीं था, जिसने इतने सारे लोगो को भयमुक्त किया ?

वास्तव मे शांति एक मानसिक अवस्था है, जिसके द्वारा हम अपने जीवन की भाग-दौड, आपा-धापी, भय-चिंता आदि से मुक्त होने की ओर का चरण मानते है।

और शांति की इस प्रक्रिया का लेखन साहस के पुल से ही होकर गुजरता है। क्योंकि शांति की अवस्था की ओर जाना आसान कार्य नही है, हम देखते है कई बार खबरो मे [कोई बडे अधिकारी ने अपना जीवन समाप्त कर लिया, हाल मे हमने सुना था - सुशांत सिंह राजपूत (एक्टर) की आत्महत्या, या फिर CCD के मालिक द्वारा स्वयं की जीवनलीला समाप्त करना] ...

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इन सब उदाहरणो मे जो सबसे कॉमन है, वह यह की, किसी के पास धन की कोई कमी नही थी, वही समाज मे अच्छी खासी छवि भी निर्मित थी, फिर भी उन्होने ऐसा कदम क्यो उठाया ?

इसके दो ही कारण सामने आते है -

(1.) साहस की कमी [अपने जीवन की चुनौतियो से लड़ने मे]

(2.) शांति की कमी [अपने मानसिक अवस्था को संतुलन मे रखने हेतु]

अब हम अपने शीर्षक पर गहन चर्चा की ओर चलते है -

सबसे पहले हम साहस को समझने का प्रयास करते है, साहस से तात्पर्य अपनी लगन और आत्मसमर्पण के साथ किसी कार्य को करने के लिए अपना सर्वस्व झोंक देने का प्रयास करना।

d drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं चाहिये। (Candidate n write on this

साहस की सीमा को किसी निश्चित आकार मे नही बाँधा जा सकता है, और न ही इसके क्षेत्र को संख्यात्मक मान मे सीमित किया जा सकता है, क्योंकि - एक शैशवावस्था से गुजर रहे शिशु का घुटनो के बल होते हुए, अपने पैरो पर खडा होना भी साहस का ही रूप है,

वही दशरथ मांझी द्वारा जो पढ़ाई लिखाई मे भले ही अव्वल न रहें, पर जब ठान लें तो पहाड को भी चीर डालने की हिम्मत रखते है।

ठीक इसी तरह हम शांति को भी एक नजरिए से नई देख सकते है, क्योंकि मानव मन चंचलता से भरा हुआ है, उसे शांत एवं एकाग्रचित रखना, दुनिया के मुश्किल कामो मे से एक माना जाता है।

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

शांति सामान्यतः एक मानसिक अवस्था का प्रतिनिधित्व करती है, क्योंकि जहाँ एक ओर, रिक्शा चलाने वाला दिहाडी मजदूर अपने एवं अपने परिवार के लालन पोषण के लिए अगर पर्याप्त धन प्राप्त कर लेता है, तो वह अपना जीवन सार्थक मान लेता है और शांतिपूर्वक अपना जीवननिर्वाह करता है,

वही लाखो-करोडो कमाने वाले CEO's, और महानगरीय चकाचौंध मे खोये कुछ परिवार जो (वर्क-लाइफ बैलेंस) तक सही ढंग से नही बना पाते, एवं अवसाद के शिकार होते है।

तो क्या शांति की सीमा आर्थिकता से ही जुडी हुई है? नही।

कई बार मंदिर मे ईश्वर के पास बैठकर जो शांति मिलती, या फिर पर्यावरण-पेडपौधो के बीच जाकर जो अकेलेपन की शांति होती, या फिर अपने बच्चे को गले से लगाकर खुश होने वाली माँ को जो शांति मिलती, इनके सभी उदा॰ गुणात्मक रूप से अलग है

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision | d

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

क्या हम अब इन दोनो मे संबंध स्थापित करने का प्रयास कर सकते है? चलिए हम कुछ उदा- और केस स्टडीज से इसे समझते है।

सबसे पहला उदा. पूर्व भारतीय कप्तान और विकेटकीपर महेंद्र सिंह धोनी का। धोनी रेलवे मे क्लर्क थे, वे शुरुआत से ही क्रिकेट मे अपना करिअर बनाने का प्रयास कर रहे थे, परंतु जब उन्होने देखा कि ये नौकरी उनके व उनके सपने के बीच आ रही है, उन्होने इसे छोडने का निर्णय लिया; हाँलाकि ये इतना आसान नही था, इससे उनके मातापिता और सगे संबंधी सभी नराज हुए, परंतु फिर भी धोनी ने दृढता के साथ साहस बनाए रखा, और अपने पैशन के लिए जुट गये, और आज जब भी उनके नाम की चर्चा होती है, वे विश्व क्रिकेट चैंपियन्स मे सबसे

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

सफल कप्तान के रूप मे गिने जाते है, और आज भी हम समझ पाते है कि उनका वह निर्णय उन्हे तब से लेकर आज तक कितना सुकून और शांति से भर देता होगा।

हम एक और उदा० लेते है, भारतीय स्वतंत्रता सेनानी और 'शहीद-ए-आजम' कहे जाने वाले भगतसिंह जी के जीवन का। वे भारतमाता के वीरसपूत थे, साहस उनकी रग रग मे था, और वे अंग्रेजो से भारत की मुक्ति के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर देना चाहते थे, और उन्होने करके भी दिखाया। केंद्रीय असेंबली बम कांड के समय जब उनके पास भागने का अवसर भी था, पर वे नही भागें, और वही 'भारत माता की जय' के नारे लगाते रहें।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार क
हाशिये में न
चाहिये।
(Candidate
write on th

जिस दिन उन्हे सजा के रूप मे फाँसी दी जाने वाली थी, वे बहुत शांत चित्त होकर लेनिन को पढ रहे थे, उन्हे कोई भय नही सता रहा था, ऐसे मे देखते है कि उनके इतने शांत रवैये के पीछे क्या करण हो सकता था ?

वह था कर्तव्यपरायण के बाद की शांति। जब आप अपना सबकुछ अपने महान उद्देश्य के लिए दे चुके हो, वैसी अवस्था।

अतः हमने इन दोनो उदाहरणो मे साहस और शांति मे संबंध को देखने का प्रयास किया।

पर अब एक सवाल उठता है कि क्या ये हमेशा इसीतरह सकारात्मक संबंध मे होते है कि साहस के बाद शांति मिलेगी ही ?

Copyright – Drishti The Vision Foundation

हम एक उदाहरण से समझते है, किसी सिविल सेवक अभ्यर्थी ने भरपूर मेहनत और साहस के साथ, अपने 'हद' के 'हद' अटेम्प्ट दिये, उसने साहस के स्तर पर कोई कमी नही रखी, चाहे वह पढाई के स्तर पर हो, या समाज-परिवार के प्रेशर हो पर अंत मे उसे सफलता नही मिली, और ये टीस उसे हमेशा परेशान करती रहती है, और इसकी मानसिक शांति को भी भंग कर देती है।

तो ऐसा भी कई बार देखने मिलता है, लेकिन ऐसे मे भी किसी भी अभ्यर्थी को यह याद रहना चाहिए कि -

'कोई अंतर नही है, सब कुछ जीत लेने मे, और अंत तक हिम्मत न हारने मे'

तो उसे जरूर एक संतुष्टि रहेगी,

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

शांति का एक और रूप हमारे सामने आता है वह है - 'जब व्यक्ति जो सोचता है, जो बोलता है, और जैसा व्यवहार करता है' इनमे यदि सामंजस्य हो तब व्यक्ति काफी हद तनाव मुक्त रहता है, और उसे 'हितो के संघर्ष', 'कॉग्नेटिव डिसोनेंस' जैसे द्वंद्वो से जूझना नही पडता है।

और यही कुछ अवस्था शांति के करीब भी पाई जाती है, और हम यह भी जानते है कि इसकी प्राप्ति मे व्यक्ति के साहस की भूमिका कितनी अहम होती है, क्योकि मन का विचलन होना सामान्य बात है, पर उस विचलित मन को भी समझाकर / अनुनय करके। और अपनी पूरी ताकत लगाकर सब कुछ न्यौछावर करना, किसी साहसी व्यक्ति का ही काम हो सकता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

शांति हमे काम, क्रोध, लोभ, मद, मत्सर जैसे 5 दुर्गुणो से दूर ले जाती है, परंतु कई बार शांति को उदासीनता का पर्याय मान लिया जाता है, जो कि सही नही है, क्योंकि उदासीन व्यक्ति का मानसिक बल क्षीण हो चुका होता है, वही शांतचित्त व्यक्ति मानसिक रूप से बहुत बलवान होता है।

साहस एवं शांति के इस संबंध मे नैतिकता को भी दूर नही किया जा सकता है, क्योंकि हमने कई बार देखा है कुछ (sadist) सैडिस्ट व्यक्तित्व भी हमे देखने मिलते है, और कुछ ऐसे व्यक्तित्व भी जिन्हे किसी को पीडा पहुँचाकर सुकून-शांति की अनुभूति होती है, उदा.- आतंकवाद।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार हाशिये में ... चाहिये। (Candidate ... write on th...)

ऐसे मे साहस किस क्षेत्र मे दिखाया जा रहा है, और इसके माध्यम से आप किस प्रकार की शांति की परिकल्पना कर रहे है, ये जानना भी आवश्यक हो जाता है।

अब अंत मे, मैं अपनी बात एक चर्चित उद्धरण कि - 'उठो, जागो, और लक्ष्य प्राप्ति तक रुको मत' की ओर ले जाना चाहता हूँ।

ये वाक्य स्वामी विवेकानंद (नरेंद्र) जी का है, जिसमे वे साहस और शांति के अंतर्संबंध को जैसा कि हमारे शीर्षक मे भी दिया गया है, से पूर्णतः मेल होता है क्योंकि उठो और जागो, हमे साहसपूर्ण कर्तव्य की ओर संकेत करते है,

वही लक्ष्य प्राप्ति की बात हमे उस चरम सीमा तक ले जाती है, जहाँ हम ---

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अपनी लक्षित वस्तु / आयाम / जीवन को प्राप्त करके, उससे मिलने वाली शांति की अनुभूति को भली-भाँति समझ पाते है और उसे अपने भावी जीवन मे महसूस भी कर पाते है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Remarks for Essay-2

उम्मीदवार
हाशिये में
चाहिये।
(Candidat
write on t

Copyright – Drishti The Vision Foundatio

SPACE FOR ROUGH WORK

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

SPACE FOR ROUGH WORK

अंत में नरेंद्रनाथ
उठो जागो और लक्ष्य प्राप्ति
भगत सिंह के
MSP

उम्मीदवार
हाशिये में
चाहिये।
(Candida
write on

Copyright – Drishti The Vision Foundatio